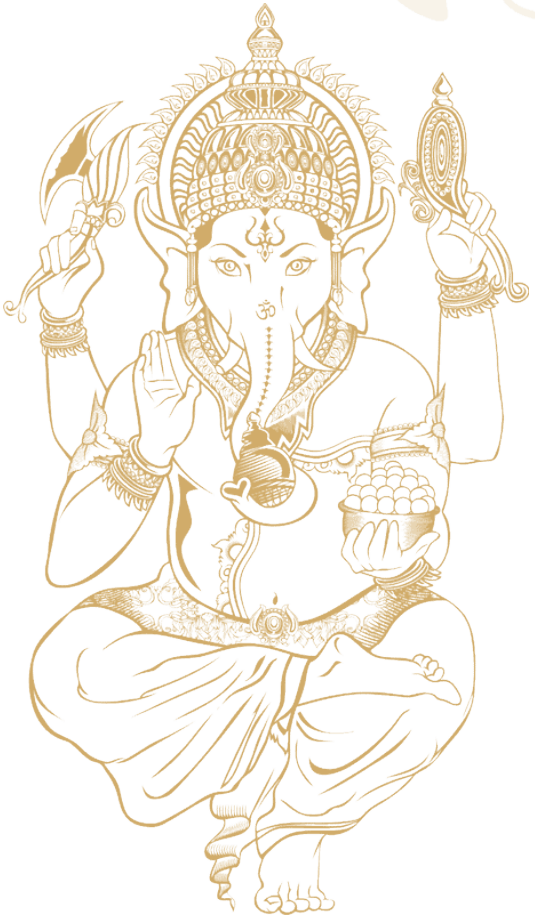

Lakhan sharma

04 Feb 2006

06:45 PM

Sikar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121924507

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**04/02/2006**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**18:45:00 घंटे**
इष्ट	28:45:41 घटी
स्थान	**Sikar**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	27:51:00 उत्तर
रेखांश	75:14:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:29:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	18:15:56 घंटे
वेलान्तर	-00:13:55 घंटे
साम्पातिक काल	03:14:11 घंटे
सूर्योदय	07:14:43 घंटे
सूर्यास्त	18:11:32 घंटे
दिनमान	10:56:49 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	21:38:28 मकर
लग्न के अंश	29:39:16 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अश्विनी - 4**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	शुभ
करण	वणिज
गण	देव
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ला-लाखन
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	29:39:16	311:54:33	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	---
सूर्य			मक	21:38:28	01:00:51	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			मेष	12:43:59	13:33:31	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	सम राशि
मंगल			मेष	29:41:36	00:27:10	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	राहु	स्वराशि
बुध		अ	मक	27:58:34	01:47:07	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	सम राशि
गुरु			तुला	23:42:04	00:05:03	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			धनु	22:06:25	00:02:47	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	सम राशि
शनि	व		कर्क	13:18:05	00:04:50	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	राहु	शत्रु राशि
राहु			मीन	11:42:16	00:00:49	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	चंद्र	सम राशि
केतु			कन्या	11:42:16	00:00:49	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	मंगल	शत्रु राशि
हर्ष			कुंभ	15:22:39	00:03:13	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	---
नेप			मक	23:16:46	00:02:17	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	सूर्य	---
प्लूटो			धनु	02:03:59	00:01:37	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	---
दशम भाव			मेष	27:02:13	--	कृतिका	--	3	मंगल	सूर्य	सूर्य	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:56:31

लग्न-चलित

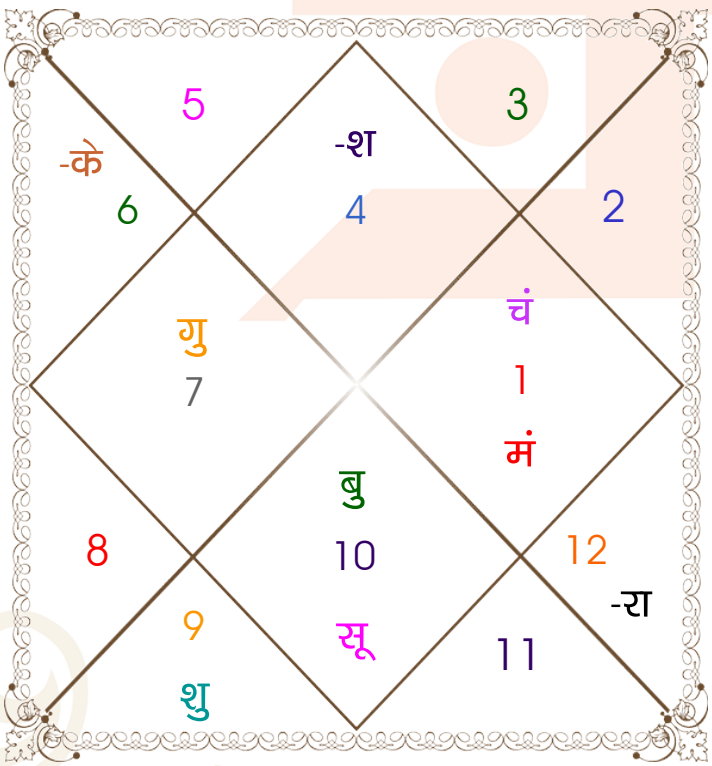

चन्द्र कुंडली

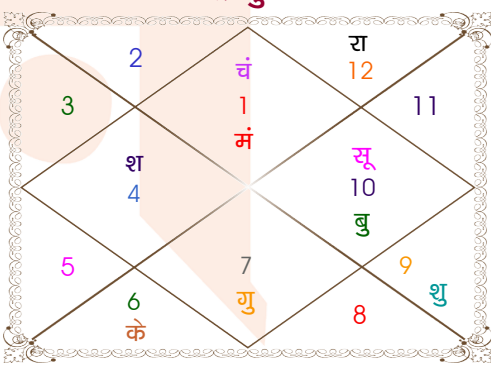

नवमांश कुंडली

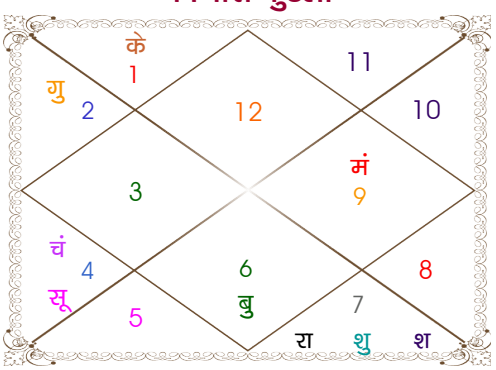

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 0 वर्ष 3 मास 23 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
04/02/2006		30/05/2006		30/05/2026		30/05/2032		30/05/2042	
30/05/2006		30/05/2026		30/05/2032		30/05/2042		30/05/2049	
	00/00/0000	शुक्र	29/09/2009	सूर्य	17/09/2026	चंद्र	30/03/2033	मंगल	27/10/2042
	00/00/0000	सूर्य	29/09/2010	चंद्र	19/03/2027	मंगल	29/10/2033	राहु	14/11/2043
	00/00/0000	चंद्र	30/05/2012	मंगल	24/07/2027	राहु	30/04/2035	गुरु	20/10/2044
	00/00/0000	मंगल	30/07/2013	राहु	17/06/2028	गुरु	29/08/2036	शनि	29/11/2045
	00/00/0000	राहु	30/07/2016	गुरु	05/04/2029	शनि	31/03/2038	बुध	26/11/2046
	00/00/0000	गुरु	31/03/2019	शनि	18/03/2030	बुध	30/08/2039	केतु	24/04/2047
	00/00/0000	शनि	30/05/2022	बुध	23/01/2031	केतु	30/03/2040	शुक्र	23/06/2048
	04/02/2006	बुध	30/03/2025	केतु	31/05/2031	शुक्र	29/11/2041	सूर्य	29/10/2048
बुध	30/05/2006	केतु	30/05/2026	शुक्र	30/05/2032	सूर्य	30/05/2042	चंद्र	30/05/2049

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
30/05/2049		31/05/2067		31/05/2083		31/05/2102		01/06/2119	
31/05/2067		31/05/2083		31/05/2102		01/06/2119		05/02/2126	
राहु	10/02/2052	गुरु	18/07/2069	शनि	02/06/2086	बुध	27/10/2104	केतु	28/10/2119
गुरु	06/07/2054	शनि	29/01/2072	बुध	10/02/2089	केतु	24/10/2105	शुक्र	27/12/2120
शनि	12/05/2057	बुध	06/05/2074	केतु	21/03/2090	शुक्र	24/08/2108	सूर्य	04/05/2121
बुध	29/11/2059	केतु	12/04/2075	शुक्र	21/05/2093	सूर्य	01/07/2109	चंद्र	03/12/2121
केतु	17/12/2060	शुक्र	11/12/2077	सूर्य	03/05/2094	चंद्र	30/11/2110	मंगल	01/05/2122
शुक्र	18/12/2063	सूर्य	29/09/2078	चंद्र	02/12/2095	मंगल	27/11/2111	राहु	19/05/2123
सूर्य	10/11/2064	चंद्र	29/01/2080	मंगल	10/01/2097	राहु	16/06/2114	गुरु	24/04/2124
चंद्र	12/05/2066	मंगल	04/01/2081	राहु	17/11/2099	गुरु	21/09/2116	शनि	03/06/2125
मंगल	31/05/2067	राहु	31/05/2083	गुरु	31/05/2102	शनि	01/06/2119	बुध	05/02/2126

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 0 वर्ष 3 मा 25 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में कर्क लग्नोदय काल हुआ-लग्न के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर मीन राशि का नवमांश एवं द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म आकृति से यह निर्देश प्राप्त होता है कि आप में दो प्रकार की विशेषता विद्यमान है। प्रथम तो यह है कि आप आस्तिक विचार धारा के भगवान के प्रति समर्पित प्राणी हैं तथा भगवान से भयभीत रहते है। दूसरा यह है कि आपके मन में धार्मिक तीर्थ-स्थानों का भ्रमण, दर्शन की अभिरूचि रहती है तथा आप दानशील प्रवृति के प्राणी है। आप पूर्ण रूपेण सांसारिक विषयों के प्रति रूचिवान है। आप ऐहिक सुखों के भोग हेतु किस प्रकार धन उपार्जन किया जाए। अर्थात् चाहे जो कुछ भी हों जीवन के अन्तिम किनारे तक सुख भोग एवं आनन्द प्राप्त करें। इसके अतिरिक्त आपको मद्यपान से स्नेह हैं। आप इन दो भिन्न-भिन्न विशेषताओं को किस प्रकार समतल करेगें यह आप ही जानते है।

आप वास्तव में सामंजस्य के विद्यान के ज्ञाता है तथा सामंजस्य स्थापित करते हैं। आप कुशाग्रबुद्धि के प्रशिक्षित विद्वतापूर्ण प्रतिभा सम्पन्न हैं। आप धन प्राप्ति हेतु अनीतिपूर्ण अभिलाषा नहीं रखते।

परन्तु आपकी जन्मजात प्रवृति है कि आपके दिमाग में यह बात रहती है कि किसी भी बातों के सम्बंध में भली प्रकार ज्ञान प्राप्त करें। आप किसी के साथ छल कपट पूर्ण व्यवहार नहीं कर दूसरों के साथ विश्वसनीयता पूर्वक सहयोग एवं सहारा लेकर किसी भी वस्तु को हस्तगत करना चाहिए कि नीति अपनाते हैं।

आपको अपने जीवन में सदैव उत्तम एवं मनोहर आनन्द प्राप्ति की अभिरूचि रहती है क्योंकि कि आप स्वार्थी प्राणी है। इस दृष्टिकोण से आपको विशेषतया सतर्कता अपनाना चाहिए। कम से कम परिवार के सामने अपने व्यक्तिगत महत्वकांक्षा को सीमित रखें। आपको अपनी पति एवं सुसन्तान के प्रति आज्ञाकारी भावनाओं से युक्त समर्पित भाव से सदैव तत्पर रहने से प्रसन्नता की प्राप्ति होगी। अतः आप निश्चित रूप से परिवारिक सदस्यों के सम्बंध की सीमा का उलंघन नहीं करे। आपको घर गृहस्थी द्वारा संयमित सुख साधन प्राप्त होगा। कर्क राशीय प्रभाव से आप वास्तव में अध्ययन तथा मार्गदर्शन कर सकते है। आप अपने निर्देशित शक्ति सम्पन्नता के पथ पर चलकर दूसरों के लिए उदाहरण प्रस्तुत करते हैं।

आपमें यह सामर्थ्य विद्यमान है कि आप कोई भी कार्य कुशलता पूर्वक सम्पन्न कर सकते हैं। आप अपनी तामसी प्रवृति का त्याग कर अथवा अवरूद्ध कर जन सामान्य में प्रसिद्धि प्राप्त करेगे।

आप औसतन लम्बे छरहरे बदन, चेहरा एवं पूर्ण (गाल) कपोल युक्त सुन्दर है। आप समय के महत्व को समझ कर चल सकते हैं और आप बेढंगे चाल चलन को त्याग दें बल्कि दृढ़तापूर्वक शोभनीय आचरण करें। यदि आप अधिक भोजन ग्रहण करते रहे तो आपके शरीर का अपरिमेय वृद्धि हो जाएगा तथा आप एक असामान्य दिखने लगेंगे। आपकी किशोरावस्था में स्वास्थ्य अच्छी रहेगी तथा आप अधिक समय तक मनोहर सुन्दर दिखेंगे।

आपके शरीर का समुचित विकास होगा। कर्क राशीय सिद्धान्त के प्रभाव से आपकी छाती में तथा पेट सम्बंधी रोगों (समस्याओं) के प्रति सावधानी बरतें क्योकि कुछ वर्षों के पश्चात् पाचन क्रिया विकृत होकर आपके सामने दिक्कतें पैदा कर सकती है। साथ ही आप शान्ति पूर्वक जीवन व्यतीत करने की आदत डालें क्योंकि आप एक सुन्दर (प्रसन्न) प्राणी हैं।

आप हिस्ट्रीया रोग, जॉनडिस (पीलिया रोग) एवं जलोदर रोग से प्रभावित तथा आक्रान्त हो सकते हैं। आप सतर्कता पूर्वक नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आप अंक 4 एवं 6 अंक का व्यवहार हेतु (पसन्द) चुन सकते हैं। अंक 3 एवं 5 अंकों का परित्याग करें।

आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, क्रीमकलर पीला एवं लाल रंग उत्तम है। कृपया रंग हरा एवं ब्लू रंग के वस्त्रादि धारण नहीं करें।